स्वाभाविक रूप से उठते हुए प्रश्नों के केन्द्र बिन्दु

1. श्री अरूण सरीन का उनके प्रारम्भिक कैरियर से ही भारत तथा भारत की जनता के साथ कोई योगदान नहीं है।
2. श्री सरीन की माइन्ड सैट पूंजीवादी विकास से लैस है तथा वे भारतीय जनगण के ठोस हालातों से व्यवहारिक रूप से परिचित नहीं हैं।
3. श्री अरूण सरीन कम्पनी कल्चर में रचे पचे व्यक्तित्व हैं तथा उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी चलाने का कोई अनुभव नहीं है।
4. बी एस एन एल के पास लगभग 3 लाख की मानव कार्य शक्ति के साथ डील करना उनके अनुभवों से परे की बात है।
5. जब श्री सरीन रू.152 करोड़ सालाना के वेतन पर काम करने वाले कारपोरेट विश्व के विशेषज्ञ हैं तो वे उनके हिसाब से बहुत ही तुच्छ अर्थात् 20 करोड़ रूपये सालाना के वेतन पर क्यों और कैसे आएंगे ?

स्वाभाविक रूप से उठ रहा प्रश्न

लगभग 152 करोड़ सालाना के वेतन पर काम कर चुका कोई कम्पनी कल्चर का विशेषज्ञ घटे हुए वेतन पर कभी नहीं जावेगा। इस प्रकार यदि सरीन साहब बहुत ही घटे हुए वेतन पर अर्थात् लगभग 20 करोड़ सालाना पर बी एस एन एल के सी.ई.ओ. बनते हैं तो, क्या कोई तीसरी ताकत भी है जो श्री सरीन को कोई खास कार्य सौंपना चाहती है तथा 152 करोड़ तथा 20 करोड़ के वेतन के अन्तर को वह पूरा करेगी ?

--------------------------X-------------------